Nai Dunia (Indore), 3rd July 2021, Page-2

www.naidunia.com

जंगल में लगने वाली आग की सूचना देगी सेंसर तकनीक

आइआइटी इंदौर ने तैयार किया पायलट प्रोजेक्ट

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारत के जंगलों में आग लगने की जानकारी तब मिलती है जब वह काफी फैल जाती है। किसी व्यक्ति द्वारा आग देखने के बाद इसकी सूचना अधिकारियों को दी जाती है और फिर आग पर काबू पाने का काम शुरू होता है, लेकिन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के प्रोफेसर और पीएचडी कर रहे विद्यार्थियों ने ऐसी तकनीक इजाद की है जिससे सेंसर के जरिए जंगलों में लगने वाली आग की सूचना कुछ ही सेकंड में प्रशासन को मिल सकेगी। सिमरोल स्थित आइआइटी इंदौर के आसपास मौजूद जंगलों का सहारा लेकर पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। जंगलों में सेंसर स्थापित कर उपकरणों का सफल प्रशिक्षण किया गया। अब इसे मेलघाट (महाराष्ट्र) टाइगर रिजर्व में इसे स्थापित करेंगे। आइआइटी इंदौर के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अभिषेक श्रीवास्तव, पीएचडी कर रहे विद्यार्थी अरुण कुमार, अंकित जैन, प्रार्थी जैन, उत्कर्ष अग्रवाल और सीमांधर जैन द्वारा पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। डा. अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है वायरलेस सेंसर नेटवर्क के माध्यम से निर्धारित सूचना कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी। तापमान ज्यादा होने पर सेंसर गलत सूचना न दे इसका भी ध्यान रखा गया है।